JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

''उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह सम्बन्ध का अध्ययन।''

"STUDY OF THE CORRELATION BETWEEN SCHOOL ENVIRONMENT AND MENTAL HEALTH OF HIGH SCHOOL AND SECONDARY LEVEL STUDENTS"

[1.] श्रीमती सरिता शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज जयपुर

[2.]बबिता चौधरी, बी.एड. एम.एड. छात्रा, बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर

Ms. Sarita Sharma, Assistant Professor, Biyani Girls B.Ed. College, Jaipur

Babita Choudhary, B.Ed.M.Ed. Student, Biyani Girls B.Ed. College, Jaipur

सारांश :–

शिक्षा मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने का सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन है, वर्तमान समय में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना भी एक महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि हम शिक्षा की गुणवत्ता के विकास पर दृष्टिपात करेंगें तो देखेंगें की प्राचीन युग से वर्तमान युग तक मानव ने शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में संसाधनों में तीव्र गति से परिवर्तन किया हैं।

अतः राष्ट्र के सुयोग्य नागरिको के निर्माण की प्रक्रिया में शिक्षा के औपचारिक साधनां के रूप में विद्यालय व कॉलेजों की भूमिका अतुलनीय हैं। विद्यार्थियों क शारीरिक, मानसिक, सांवैगिक, नैतिक, आर्थिक एवं आत्मिक विकास के निर्माण के आधार भारतीय विद्यालयों का वातावरण, विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षणोत्तर कर्मचारी एवं विद्यालय में उपलब्ध संसाधन हैं।

की वर्ड :– विद्यालय, मानसिक स्वास्थ्य, माध्यमिक स्तर के विद्यालय, उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालय

प्रस्तावना :–

छात्रों के मानसिक विकास में शिक्षा शिक्षक व शिक्षालयों की महत्ती भूमिका होती हैं। यदि शिक्षागत वातावरण अनुकूल हैं तो छात्रों में अपेक्षित गुणों का विकास होगा और वे जीवन में उत्तरोत्तर सफलता की सीढ़ियों में चढ़ते जायेंगे तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता का परचम लहरायेगें परन्तु यदि विद्यालय वातावरण प्रतिकूल है तो छात्रों का मानसिक विकास कुंठित हो जायेगा। अतः शिक्षाशास्त्री फ्रोबेल, वाटसन, न्यूमैन आदि ने बालक के मानसिक विकास में

विद्यालय वातावरण को महत्वपूर्ण स्थान दिया हैं।''वातावरण द्वारा शारीरिक लक्षण सबसे कम प्रभावित होते हैं, बुद्धि अधिक शिक्षा व ज्ञान प्राप्ति उससे भी अधिक व्यक्तित्व व स्वभाव सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।''

विद्यालय वातावरण के अन्तर्गत भौतिक व मानवीय तत्वों को साध्य की प्राप्ति के लिए उपलब्ध व सुव्यवस्थित किया जाता हैं। विद्यालय वातावरण के अन्तर्गत वे सभी व्यवस्थायें आती हैं जो छात्र के मानसिक विकास में अहम है जैसे – विद्यालय भवन, विद्यालय की दिनचर्या, अनुशासन परीक्षा, निरीक्षण, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, खेल का मैदान, विद्यालय के शिक्षक, विद्यालय की साफ–सफाई आदि।

विद्यालय वातावरण में मानवीय व भौतिक संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है अर्थात इन संसाधनों के माध्यम से ही विद्यालय वातावरण का निर्माण होता है। निःसन्देह विद्यालय एक विद्या मन्दिर है, अतः इसका शिक्षागत वातावरण पवित्र, सात्विक, उत्साहवर्धक होना चाहिए। विद्यालय का शिक्षागत वातावरण ऐसा होना चाहिए जिससे छात्र तथा शिक्षको की शारीरिक तथा मानसिक शक्तियाँ पूरी तरह कार्य कर सकें। राष्ट्र की उन्नति का निर्णय और निश्चय विद्यान परिषदों में नही हो सकता, वहाँ आवेग से न्याय को ऐंठा जाता हैं न न्यायालय में हो सकता हैं, वहाँ दण्ड कैदी को सुधारने के स्थान पर उसे और अधिक कठोर बनाता हैं न कारखानों में होता है जहाँ व्यक्ति का यांत्रिकरण होता हैं और वह समाज के हितों की अपेक्षा अपने व्यक्तिगत स्वार्थ पर हो अधिक ध्यान देता हैं, परन्तु विद्यालयों में होता है जहाँ भविष्य के नागरिकों का निर्माण होता हैं जहाँ उनके शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, सांवैगिक, चारित्रिक विकास और सम्भावनाओं पर ध्यान दिया जाता हैं। विद्यालय ऐसा स्थान है जिससे राष्ट्र का भाग्य बनता हैं।

विद्यालय का शाब्दिक अर्थ है। विद्या का आलय अर्थात विद्या का घर ऐसा स्थान जहाँ नियोजित शिक्षा की प्रक्रिया चलती हैं और बच्चों में वांछित ज्ञान का विकास किया जाता हैं, विद्यालय कहा जाता हैं। ''विद्यालय एक ऐसा विशिष्ट वातावरण है जहाँ जीवन के कुछ गुणों और कुछ विशेष प्रकार की क्रियाओं तथा व्यवसायों की शिक्षा इस उद्देश्य से दी जाती हैं कि बालक का विकास वांछित दिशा में हो।''

अध्ययन का औचित्य –

विद्यालय का वातावरण समायोजित एंव सकारात्मक होगा तो यह वातावरण विद्यार्थी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर विद्यार्थी के विकास में अपना सहयोग दे सकते हैं।

विद्यालय का वातावरण समायोजित एवं सकारात्मक होगा तो यह वातावरण विद्यार्थी के मानसिक स्वास्थ्य को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। जबकि नकारात्मक विद्यालय वातावरण विद्यार्थी के मानसिक स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता हैं। जिससे विद्यार्थी मानसिक रूप से अस्वस्थ हो जाते हैं अतः विद्यार्थी का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह–सम्बन्ध पाया जाता हैं। अतः शोधकर्त्री के मन में जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि क्या उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह–सम्बन्ध पाया जाता हैं? अतः शोधकर्त्री ने इस समस्या का चयन किया हैं। समस्या से उभरने वाले प्रश्न निम्नांकित हैं। अतः शोधार्थी ने शोध समस्या के रूप में इस समस्या का चयन किया हैं।

(1) क्या उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक सह सम्बन्ध है?

(2) क्या उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह सम्बन्ध है?

(3) क्या माध्यमिक स्तर के छात्रों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह सम्बन्ध है?

(4) क्या माध्यमिक स्तर के छात्राओं का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह सम्बन्ध है?

सम्बन्धित साहित्य

(1) चतुर्वेदी, अर्चना (2021) – इनका उद्देश्य विभिन्न विद्यालयी वातावरण एवं संस्कृति के परस्पर संबंध का अध्ययन करना व हिन्दू संस्कृति से संबंधित विद्यालयों के विद्यार्थियों की नेतृत्व क्षमता, सृजनात्मकता एवं राष्ट्रीय चेतना का विद्यालय वातावरण का अध्ययन करना। निष्कर्ष में पाया कि विद्यालय की शिक्षा एवं सम्पूर्ण वातावरण पर उनकी संस्कृति की छाप होती हैं। जो बालक बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय जागरूकता की भावना के निर्माण में सहायक होती हैं। और पाया गया कि हिन्दू संस्कृति के सरस्वती शिशु मंदिरों के छात्र–छात्राओं में सृजनात्मकता, नैतिक मूल्य एवं राष्ट्रीय चेतना विद्यालय वातावरण का प्रभाव पाया गया।

(2) अग्रवाल, मीनू (2021) – ''राजस्थान में विभिन्न प्रकार के विद्यालय वातावरण के छात्रों के व्यक्तित्व अनुशासन तथा नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन ''इनका उद्देश्य विभिन्न प्रकार के विद्यालय वातावरण के छात्रों के व्यक्तित्व अनुशासन आचरण तथा नैतिक मूल्यों का अध्ययन करना थां निष्कर्ष में पाया कि उच्च व निम्न समूहों के छात्रों के व्यक्तित्व को विद्यालयी वातावरण की भिन्नता प्रभावित नही करती हैं, किन्तु इस भिन्नता का प्रभाव छात्रों के अनुशासनात्मक व्यवहार, आचरण, मानवता, मूल्य ईमानदारी, नम्रता और श्रम निष्ठा हैं।

(3) जरीन, सूफिया (2020) ''परिषदीय एवं निजी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की गणित में निष्पति एवं कक्षा वातावरण से सम्बन्ध का अध्ययन करना'' शोधकार्य का प्रमुख उद्देश्य परिषदीय एवं निजी विद्यालयों के छात्रों द्वारा कक्षा में प्रत्यक्षीकृत कक्षा वातावरण की पमुख 14 विमाओं तथा गणित की निष्पति में सह सम्बन्ध ज्ञात करना। निष्कर्ष में पाया गया कि परिषदीय अपनी कक्षाओं में प्रत्यक्षीकृत अधिगम समर्थक वातावरण की 12 में स 11 विमाओं में अन्तर होता हैं। परिषदीय व निजी विद्यालयों के छात्र अपनी कक्षा में पुरस्कार को समान मात्रा में प्रत्यक्षीकृत करते हैं।

(4) अहमद मोहम्मद इकबाल (2020) अध्ययन के उद्देश्य है– बालकों के मानसिक स्वास्थ्य पर माता–पिता तथा शिक्षकों के मूल्यों का पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना। निष्कर्ष पाया गया बालकों की भिन्न आर्थिक स्थिति से उनके मूल्यों में सार्थक अन्तर पाया जाता हैं। जिसका उनके मूल्यों में सार्थक अन्तर पाया जाता हैं। जिसका प्रभाव बालकों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता हैं।

(5) कुमार, रत्नेश (2020) ''निजी एवं परिषदीय ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन किया'' इस शोध में शोधकर्त्ता का उद्देश्य निजी एवं परिषदीय ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना था। शोधकर्त्ता ने अपने अध्ययन में निष्कर्ष निकाला कि दोनों प्रकार के विद्यालयों के कक्षा वातावरण में मूलभूत अन्तर होता है अर्थात कक्षा वातावरण की सभी चौदह विमाओं–पुरस्कार, सरलीकरण, आवेष्ठन आदि में पर्याप्त सार्थक अन्तर होता हैं।

साहित्य विवेचना

किसी भी कार्य के प्रति सकारात्मक विचार ही उस कार्य को आधा सफल बना देते हैं प्रस्तुत शोध उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य सहसम्बन्ध ज्ञात करने का मुख्य उद्देश्य था। विद्यालय वातावरण तथा मानसिक स्वास्थ्य से किस प्रकार विद्यार्थी प्रभावित होता हैं या नही। अपने विद्यालय के वातावरण के प्रति विद्यार्थियों के क्या विचार है? व विद्यालय वातावरण का उनके मानसिक स्वास्थ्य पर किस प्रकार से प्रभाव पड रहा हैं। अतः इससे संबंधित अध्ययन निम्न हैं– चतुर्वेदी, अर्चना (2021), अग्रवाल, मीनू (2021), अहमद मोहम्मद इकबाल (2020), जरीन, सूफिया (2020), कुमार रत्नेश (2020) अर्थात

विद्यालय वातावरण व मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित शोधों के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि प्राथमिक शिक्षा से संबंधी विद्यार्थियों कि बुद्धि, अभिप्रेरणा, शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, विद्यालय वातावरण से सम्बन्धित अनेकों शोध कार्य हुए हैं। परन्तु काई भी शोध कार्य माध्यमिक विद्यालयों तथा उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह सम्बन्ध के अध्ययन की स्पष्ट धारणा प्रस्तुत नही करता। यही कारण है कि शोधकर्त्री ने इस समस्या का चयन किया।

समस्या कथन –

''उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह सम्बन्ध का अध्ययन।''

अध्ययन मे प्रयुक्त उद्देश्य

(1) उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह–सम्बन्ध का अध्ययन करना।

(2) माध्यमिक स्तर की छात्राओं का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह–सम्बन्ध का अध्ययन करना।

अनुसंधान की विधि :–

शोधकर्त्री द्वारा शोध अध्ययन हेतु शोध विधि के रूप में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श :–

शोधकर्त्री द्वारा प्रयुक्त शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में जयपुर शहर के 5 विद्यालय लिये गये। शोधकर्त्री द्वारा प्रयुक्त शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में माध्यमिक स्तर के 100 विद्यार्थी तथा उच्च माध्यमिक स्तर के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया हैं।

शोध में प्रयुक्त उपकरण :–

शोधकर्त्री द्वारा प्रयुक्त शोध अध्ययन में शोध उपकरण के रूप में स्वनिर्मित अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में मध्यमान एवं सहसम्बन्ध सांख्यिकी रूप में प्रयोग किये गये है।

परिकल्पना –1 उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक सह सम्बन्ध नही पाया गया हैं।

श्रेणी	न्यादर्श	मध्यमान	सह–सम्बन्ध	स्वीकृत / अस्वीकृत
विद्यालय वातावरण	100	21.36	0.77	अस्वीकृत
मानसिक स्वास्थ्य	100	4.72		

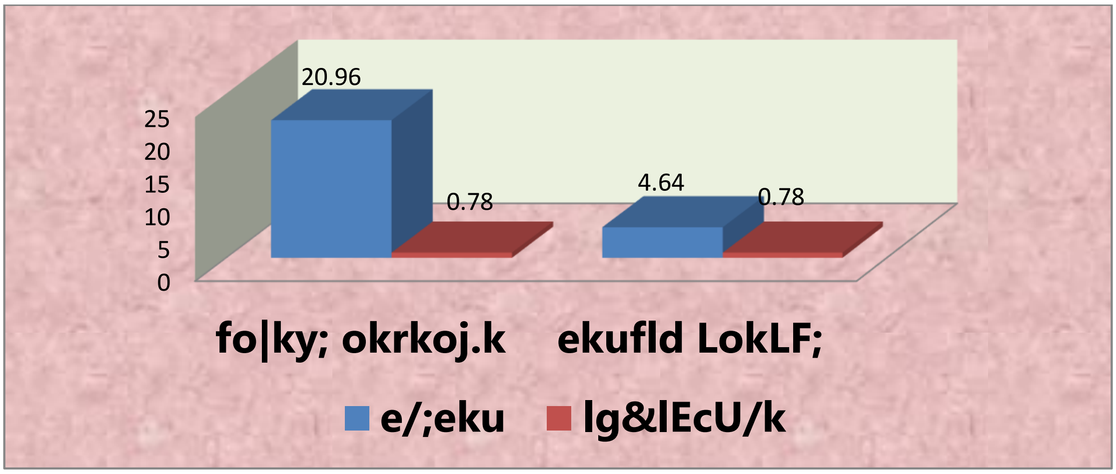

परिणाम 1 :–

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है कि न्यादर्श के रूप में उच्च माध्यमिक स्तर के 50 छात्रों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य मान क्रमशः 21.36 तथा 4.72 प्राप्त हुआ। उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह–सम्बन्ध +0.77 प्राप्त हुआ। चूंकि +0.77 उच्च धनात्मक सह–सम्बन्ध को दर्शाता हैं। अतः प्रस्तुत शोध में परिकल्पना–1 उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य उच्च धनात्मक सार्थक सह–सम्बन्ध नही पाया गया हैं। अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती हैं।

परिकल्पना – 2 माध्यमिक स्तर की छात्राओं का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया गया हैं।

श्रेणी	न्यादर्श	मध्यमान	सहसम्बन्ध	स्वीकृत / अस्वीकृत
विद्यालय वातावरण	25	20.64	0.95	अस्वीकृत
मनसिक स्वास्थ्य	25	5.36		

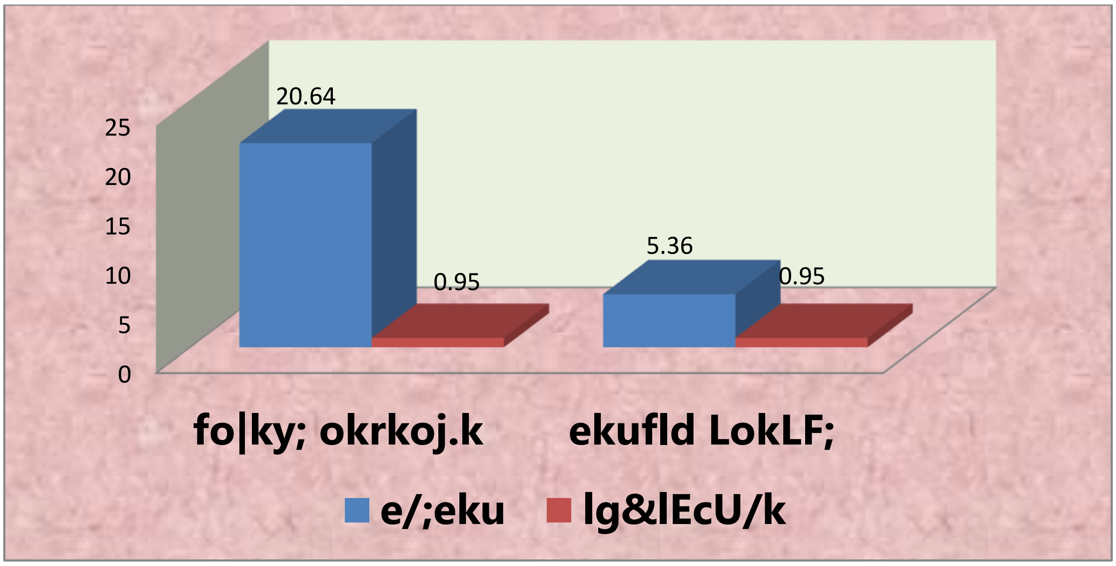

परिणाम 2

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से ज्ञात होता है कि न्यादर्श के रूप में माध्यमिक स्तर की 50 छात्राओं का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य मध्यमान क्रमशः 20.64 तथा 5. 36 प्राप्त हुआ। माध्यमिक स्तर की छात्राओं का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह–सम्बन्ध +0.95 प्राप्त हुआ। चूंकि +0.95 उच्च धनात्मक सह–सम्बन्ध को दर्शाता हैं। अतः प्रस्तुत शोध में परिकल्पना–4 माध्यमिक स्तर की छात्राओं का विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य उच्च धनात्मक सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया गया हैं। अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती हैं।

निष्कर्ष –

कई विद्यालयों में कठोर अनुशासन रखा जाता हैं। और विद्यार्थियों को चुपचाप तथा शान्त रहने की आज्ञा दी जाती हैं। विद्यार्थियों पर इस प्रकार के कठोर का प्रभाव हानिकारक होता है और वे तरह–तरह के उपद्रव करते रहते हैं। अतः विद्यालय वातावरण और मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह सम्बन्ध पाया जाता हैं। अनुप्रयुक्त पाठ्यक्रम का भी विद्यार्थियों पर दुष्प्रभाव पड़ता हैं। वे पढ़ाई से ऊब कर तोड़–फोड़ के कार्यों में भाग लेने लगते हैं। यदि पाठ्यक्रम कक्षा–स्तर से कठिन होता है, तो विद्यार्थियों को अध्ययन में कठिनाई आती हैं। ऐसे छात्र कक्षा से भाग जाया करते हैं। तथा उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बूरा प्रभाव पडता है अतः विद्यालय वातावरण एवं मानसिक स्वास्थ्य के मध्य सह–सम्बन्ध पाया जाता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- चर्तुर्वेदी, अर्चना, पी.एच.डी. स्तर "भारती विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों द्वारा संचालित विद्यालय वातावरण में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्तिगत गुणों, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय जागरूकता की भावना का अध्ययन" पी.एच.डी. स्तर, भारतीय शिक्षा परीषद् (जुलाई दिसम्बर 2024)
- अग्रवाल, मीनू (2024)''राजस्थान में विभिन्न प्रकार के विद्यालय वातावरण के छात्रों के व्यक्तित्व अनुशासन तथा नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन'' पी.एच.डी. स्तर, वनस्थली विद्यापीठ (राजस्थान)
- जरीन, सूफिया (2024) "परिषदीय एवं निजी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की गणित में निष्पति एवं कक्षा वातावरण से सम्बन्ध का अध्ययन करना''एम.एड. लघु शोध प्रबंध, इलाहाबाद विश्वविद्यालय.
- अहमद मोहम्मद इकबाल (2023) "बालकों के मानसिक स्वास्थ्य पर माता–पिता तथा शिक्षकों के मूल्यों का पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन" पी.एच.डी. स्तर बंगलौर युनिवर्सिटी.

- कुमार, रत्नेश (2023) "निजी एवं परिषदीय ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन'' एम.एड. स्तर, लघु शोध प्रबंध इलाहाबाद विश्वविद्यालय, आगरा.

WEBSITE REFERENCE

1. www.wikipedia.com
2. www.desserationtopic.com
3. www.scribd.com
4. shodhganga.inflibnet.ac.in
5. www.slideshare.com